# गाटर घाट कजलिया मेला स्थल, बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थलों में स्वच्छता मित्रों ने संभाली कमान

## पर्व पश्चात चला विशेष सफाई अभियान,सुगम जल निकासी हेतु किए गए प्रयास

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

रक्षाबंधन एवं कजलिया पर्व के पश्चात नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम के स्वच्छता मित्र बारिश के बीच भी निरंतर सफाई कार्य में जुटे रहे। पर्वो के दौरान बाजार एवं रहवासी क्षेत्रों में उत्पन्न अपशिष्ट की सफाई के लिए मुख्य मार्गो सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। वहीं वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जलप्लावन की संभावित स्थिति से निपटने चोक नाले-नालियों की सफाई की जाकर सुगम जल निकासी के प्रयास किए गए।

**गाटरघाट मेला स्थल पर विशेष सफाई अभियान:** नगर के गाटरघाट में आयोजित दो दिवसीय कजलिया मेले के दौरान निगम के स्वच्छता मित्र शनिवार देर रात तक मेला स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था संभाले रहे। वही रविवार को मेले की दूसरे दिवस की व्यवस्था हेतु प्रातः से ही मेला आयोजन स्थल पर पुनः विशेष सफाई अभियान चलाकर एकत्रित अपशिष्ट को हटाया गया तथा पूरे क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित किया गया।

इसके साथ ही मेला स्थल पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने के प्रयास





किए गए। इसके अतिरिक्त नगर के बाजार क्षेत्रों एवं भीड़ भाड़ वाले स्थलों सुभाष चौक, स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, शंकर टॉकीज मार्ग,नई बस्ती, बस स्टैंड,लखेरा, झर्रा टिकुरिया, एन के जे बजरिया, आजाद चौक, खिरहनी फाटक ओवर ब्रिज के नीचे, नई बस्ती, नदीपार मुख्य मार्ग, पन्ना मोड, सहित बंधवा टोला, मुक्तिधाम परिसर, दुबे कॉलोनी जैन कालोनी सहित नगर के विभिन्न स्थलों में विशेष सफाई की जाकर एकत्रित अपशिष्ट को निपटान हेतु प्लांट भेजने की कार्यवाही की गई।

**जल निकासी व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान:** वर्षा के दौरान जलभराव की संभावित समस्या को देखते हुए निगम अमले द्वारा मंगल नगर पुलिया सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चोक नाले-नालियों को चिन्हित कर उनकी सफाई कराई गई। इस दौरान नालियों से अवरोध एवं जमा गाद हटाकर जल निकासी को सुगम बनाने के प्रयास किए गए, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नालियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न डालें तथा नगर को स्वच्छ बनाए रखने में निगम के स्वच्छता मित्रों का सहयोग करें।

# बाढ़ की चपेट में चित्रकूट-भाजपा नेता पं. चंद्र कमल त्रिपाठी की जनता से अपील

## संयम रखें, हर संभव मदद जारी

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

चित्रकूट में माँ मंदाकिनी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। लगातार बारिश के चलते पिंडरा, मझगवां, जैतवारा, बिरसिंहपुर, रामघाट, कर्वी क्षेत्र सहित पूरे चित्रकूट में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। यह एक प्राकृतिक आपदा है। इस संकट की घड़ी में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता द्रुपंडित चंद्र कमल त्रिपाठी जीद्ध ने समस्त चित्रकूट वासियों से संयम बरतने की भावुक अपील की है। उन्होंने कहा कि आप सभी सुरक्षित स्थानों पर रहें, अफवाहों पर ध्यान न दें।

पंडित त्रिपाठी जी ने बताया कि प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री द्रुमाननीय डॉ. मोहन यादव जीद्ध स्वयं पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जल्द ही चित्रकूट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। उनके साथ सभी जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन सतना और पूरी सरकारी मशीनरी सतत् संपर्क में है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि चित्रकूट के सभी बड़े आश्रमों और मंदिरों में प्रभावित लोगों के लिए रहने और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था



शुरू कर दी गई है। द्रुजानकीकुंड चिकित्सालय के संस्थापक व संचालक ब्रह्मलीन श्री रणछोड़दास जी महाराज के आश्रम की टीम, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के आश्रम, श्री कामदगिरि प्रमुख द्वार, रामघाट के संत आश्रम, हनुमान धारा, सती अनसूया आश्रम, स्फटिक शिला, भरत मिलाप मंदिरद्ध सहित कई आश्रमों में लगातार भंडारे चल रहे हैं। चित्रकूट के वरिष्ठ समाजसेवी, संत समाज और भाजपा कार्यकर्ता भी घर-घर भोजन, पानी और राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। पंडित त्रिपाठी जी ने कहा - जनता जनार्दन घबराए नहीं, प्रशासन हर कदम पर आपके साथ है।

# मटमैले पानी की शिकायत पर निगम का त्वरित एक्शन, मौके पर पहुंची जलप्रदाय शाखा की टीम

## इंदिरा ज्योति कॉलोनी में जल आपूर्ति की जांच, स्थानीय नागरिकों ने बताया-मिल रहा शुद्ध एवं स्वच्छ पानी

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहरवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस माधव नगर क्षेत्र की इंदिरा ज्योति कॉलोनी में मटमैले पानी की आपूर्ति संबंधी सूचना प्राप्त होते ही निगम प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया और जल प्रदाय विभाग की टीम को तत्काल मौके पर भेजकर स्थिति की जांच कराई। जलप्रदाय टीम ने कॉलोनी पहुंचकर जल आपूर्ति व्यवस्था, पाइपलाइन एवं पानी की गुणवत्ता की जांच की तथा आवश्यक परीक्षण एवं निरीक्षण किए जाने पर क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति सामान्य पाई गई।



मौके पर मौजूद क्षेत्रीय नागरिकों ने भी वर्तमान में शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने की जानकारी दी। निगम प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। जलप्रदाय से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर निगम द्वारा उसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अमले को तत्काल मौके पर भेजकर वास्तविक स्थिति की जांच की जा रही है तथा समस्या पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई कर उसका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत की जानकारी निगम कार्यालय, जोन कार्यालय अथवा कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराएं, ताकि संबंधित टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके।

## सौर ऊर्जा अपनाएं, संपत्ति कर में पाएं 5 प्रतिशत तक की छूट

# पर्यावरण संरक्षण के साथ बिजली की बचत को बढ़ावा देने निगम की पहल, पात्र भवन स्वामियों को मिलेगा लाभ

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम कटनी द्वारा नागरिकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप नगर निगम परिषद द्वारा सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाले भवन स्वामियों को वार्षिक संपत्ति कर में 5 प्रतिशत तक की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।



परिषद द्वारा पारित निर्णय के अनुपालन में जिन भवन स्वामियों द्वारा अपने भवन पर सौर ऊर्जा उपकरण स्थापित किए गए हैं, उन्हें इसका लाभ प्राप्त करने के लिए सौर ऊर्जा उपकरण स्थापित होने संबंधी आवश्यक दस्तावेज नगर निगम की राजस्व शाखा में जमा कराने होंगे। दस्तावेजों के परीक्षण एवं पात्रता के आधार पर संबंधित वित्तीय वर्ष के देय संपत्ति कर में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सौर ऊर्जा को अपनाने की अपील की है। निगम का मानना है कि सौर ऊर्जा का उपयोग न केवल बिजली की बचत और पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि संपत्ति कर में मिलने वाली छूट नागरिकों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन का माध्यम भी बनेगी। यह पहल शहर में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

# किसानों की बर्बाद हुई फसलों का शतप्रतिशत दिया जाय मुआवजा

## सतना जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से भारी क्षति

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

जिले में प्रकृति के प्रकोप से आई बाढ़ ने जनजीवन को प्रभावित किया है। कई परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है और सामान्य जीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है खास तौर पर चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में अति भयावह स्थिति है सतना जिले की हर विधानसभा क्षेत्र में जल भराव की स्थिति निर्मित हुई है सतना नगर निगम क्षेत्र भी प्रभावित है लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त है जिले में कई दिनों से जारी भारी बरसात एवं बाढ़ के चलते ख़रीफ़ फसलें उड़द, तिली, सोयाबीन, धान जैसी फसलें बरबाद हुई हैं।



साथ ही लोगों के मकान भी क्षतिग्रस्त हुए है किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने जिला प्रशासन से बिशेष अनुरोध किया है कि इस कठिन समय में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं अति बृष्टि से हुए किसानों की फसलों का जल्द सर्वे करवाकर फसल बीमा योजना एवं आरबीसी एक्ट के तहत क्षतिपूर्ति दिये जाने साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुए अन्य नुक़सान की भरपाई एवं मुआवजा राशि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शीघ्र उपलब्ध कराये जाने की माँग की है। मैं बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के सभी परिवारों से कहना चाहता हूँ– घबराएँ नहीं, धैर्य और हिम्मत बनाए रखें कांग्रेस पार्टी आपके साथ हैं और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर हैं।

# गोवंश की मौतों पर प्रशासन की नींद नहीं टूटी! कहीं रेलवे ट्रैक पर 25 से 30 गौवंश की मौत

पीपुल्स प्रवक्ता खरगापुर/जरूआ।

जिले में गोवंश संरक्षण को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कुड़ीला थाना क्षेत्र के चिनगुवा रेलवे पुल पर अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस की चपेट में आकर करीब 25 से 30 गोवंशों की मौत के मामले में कई दिनों तक कार्रवाई नहीं होने के बाद आखिरकार पुलिस ने 8 से 10 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। वहीं जरूआ की राधारानी गौशाला में तीन गौवंशों के मृत पाए जाने के दावे और वायरल वीडियो ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं तथा प्रशासनिक निरीक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**जनआक्रोश के बाद जागी पुलिस:** चिनगुवा रेलवे पुल की घटना के बाद स्थानीय पत्रकारों, बजरंग दल कार्यकर्ताओं और गोसेवकों ने मामले को प्रमुखता से उठाया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विरोध और लगातार उठती आवाजों के बाद कुड़ीला थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। ग्रामीणों और गोसेवकों का आरोप है कि कोटरा गांव की ओर से कुछ लोगों द्वारा गोवंशों को रेलवे ट्रैक की ओर हांके जाने के कारण हादसा हुआ। हालांकि पुलिस ने अभी किसी व्यक्ति की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।



**दूसरी ओर गौशाला में तीन मौतों ने खोली निगरानी व्यवस्था की पोल:** जरूआ की राधारानी गौशाला में तीन गौवंशों के मृत पाए जाने के दावे के बाद ग्रामीणों ने चारा, पानी और देखरेख की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि सरकारी अनुदान से गौशालाएं संचालित हो रही हैं, तो वहां गौवंशों की स्थिति की नियमित निगरानी कौन कर रहा है? क्या जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं? अगर निरीक्षण हो रहे हैं तो फिर ऐसी घटनाएं सामने क्यों आ रही हैं।

**दो घटनाएं, एक बड़ा सवाल–जवाबदेही कब तय होगी:** एक ओर रेलवे ट्रैक पर बड़ी संख्या में गौवंशों की मौत और दूसरी ओर गौशाला में गौवंशों की मौत के दावों ने जिले की गौवंश संरक्षण व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

## जेवर पंचायत में मनरेगा में अनियमितताएं

# मजदूर काम मांगते रहे, जिम्मेदार मशीनों से कराते रहे निर्माण, ग्रामीणों ने कलेक्टर से जांच की मांग की

### »मजदूरों के हक को निगल गई जेसीबी, रात के अंधेरे में मनरेगा तालाब की खुदाई कर फ र्जी मस्टर से राशि का किया बंदरबांट

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

जतारा विधानसभा एवं पलेरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत जेवर में मनरेगा योजना को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मजदूरों को रोजगार देने के बजाय रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन लगाकर मनरेगा तालाब का निर्माण कराया जा रहा है। इतना ही नहींए काम किए बिना मजदूरों के नाम मस्टर रोल में दर्ज कराकर सरकारी राशि के बंदरबांट की भी शिकायत की गई है।

शिकायत कर्ता जेवर निवासी मानवेंद्र कुशवाहा सहित अन्य लोगों का आरोप है कि सरपंच, सचिव और उपयंत्री की कथित मिलीभगत से मनरेगा के काम में मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी रात में जेसीबी से काम कराए जाने के वीडियो और फ ोटो सोशल मीडिया पर सामने आने की बात ग्रामीणों ने कही है। वर्ष 2024-25 में 14 लाख की स्वीकृत हुई थी तलैया जानकारी के अनुसार पलेरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत



जेवर में मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण घनश्याम कुशवाहा के खेत के पास 14.234795 रुपए में तलैया स्वीकृत हुई थी और इसका निर्माण मजूदरों से किया जाना था, लेकिन ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों ने रातों रात मशीनों से निर्माण करा दिया। जिसका फर्जी भुगतान 7 लाख 94 हजार से अधिक भुगतान कर दिया गया है। मामले की शिकायत गांव के मानवेंद्र कुशवाहा ने शिकायत की, लेकिन मामले में न तो कोई जांच हुई और न ही कार्रवाई की गई है।

**मजदूर गांव में काम मांगते रहे जेसीबी दौड़ती रही:**मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराना है, लेकिन जेवर पंचायत में स्थिति इसके उलट होने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि मजदूर काम के लिए परेशान हैं, जबकि तालाब की खुदाई जैसे काम मशीनों से कराए जा रहे हैं। रोजगार नहीं मिलने के कारण कई मजदूरों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

**फर्जी मस्टर रोल से सरकारी राशि हड़पने का आरोप:** ग्रामीणों ने रोजगार सहायक पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि ऐसे लोगों के नाम मस्टर रोल जारी किए जाते हैं। जिन्होंने मौके पर काम नहीं किया। आरोप है कि प्रभावशाली और खास लोगों के नाम मस्टर में दर्ज कर सरकारी राशि निकाल ली जाती है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

**घटिया निर्माण की भी शिकायत:** ग्रामीणों ने पंचायत में कराए जा रहे अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पंचायत के निर्माण कार्यों की जांच कराने तथा मशीनों से कराए गए कार्यों की तकनीकी जांच की मांग की है।

**कलेक्टर से जांच और मजदूरों के खातों में भुगतान की मांग:** ग्रामीणों ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही मनरेगा में वास्तविक रूप से काम करने वाले मजदूरों के खातों में सीधे मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि योजना का लाभ वास्तविक मजदूरों तक पहुंचे और उन्हें रोजगार के लिए गांव से पलायन न करना पड़े। पीड़ित का कहना था कि यदि मनरेगा मजदूरों के लिए है, तो जेवर पंचायत में रात के अंधेरे में जेसीबी किसके आदेश पर दौड़ रही है, और यदि मस्टर रोल में मजदूर दर्ज हैं तो मौके पर मशीनों से काम क्यों कराया जा रहा है, इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा।

### इनका कहना

तलैया निर्माण में की गई अनियमितताओं की शिकायत कलेक्टर, जिला पंचायत, जनपद पंचायत के साथ प्रदेश स्तर पर शिकायत वर्ष 2025 से करते आ रहे है, लेकिन मामले में जिम्मेदारों ने कार्रवाई नहीं की है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास और वृद्धा पेंशन का परिवाद न्यायलय में लगाया है, जो विचाराधीन है।

**मानवेंद्र कुशवाहा, ग्राम पंचायत जेवर।**

# चित्रकूट क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड

### » सतना जिला अध्यक्ष उदित तिवारी ने पीड़ितों को बांटी खाद्यान्न सामग्री

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

चित्रकूट लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के चलते चित्रकूट क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है बाढ़ के कारण अनेक परिवार प्रभावित हुए हैं और उनके सामने भोजन,पेयजल एवं रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे कठिन समय में कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड ने प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सेवा और राहत कार्य शुरू किया है। इसी क्रम में सतना कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष उदित तिवारी व किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर पीड़ित परिवारों का हाल जाना उन्होंने प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्यान्न एवं आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया इस मौके पर उदित तिवारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों के बीच खड़ा है और जरूरतमंद परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ÷मुश्किल समय में इंसानियत की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।÷ बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री पहुंचाना केवल सहायता का कार्य नहीं, बल्कि उनके साथ खड़े होने और उन्हें मानसिक संबल देने का भी प्रयास है।

राहत कार्य के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों से उनकी जरूरतों की जानकारी ली तथा उन्हें आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की साथ ही बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया वहीं खाद्यान्न सामग्री वितरित करवाने में चिंतन नामदेव,सुरेन्द्र कुमार साहू,रितेश विश्वकर्मा,विशाल चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे। उदित तिवारी ने कहा कि कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड आगे भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं सेवा कार्य जारी रखेगा। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों और सामाजिक संगठनों से भी आपदा की इस घड़ी में आगे आकर जरूरतमंद परिवारों की मदद करने की अपील की। बाढ़ की विभीषिका के बीच कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड द्वारा किए जा रहे राहत कार्य से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत मिली है। संगठन के इस मानवीय प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

## बरही में रात होते ही सक्रिय हो जाते हैं रेत के घाट!

# अवैध उत्खनन और परिवहन के आरोपों ने खड़े किए सवाल, टीपी से लेकर डंपिंग स्थल तक जांच की मांग

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

बरही क्षेत्र में रेत के कथित अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दिन में शांत नजर आने वाले नदी घाट रात होते ही सक्रिय हो जाते हैं। आरोप है कि देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से रेत निकालकर आसपास के क्षेत्रों में डंप की जाती है और बाद में दिन के समय इसकी सप्लाई की जाती है।

अमरपुर चौकी क्षेत्र के सिद्ध महाराज घाट (मुरुगुड़ी), जाजागढ़, बिचपुरा और कनौर क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

**टीपी से लेकर डंपिंग स्थल तक सवाल:** पूरे मामले में ट्रांजिट पास (टीपी) को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि उमरिया जिले के बढ़छड़ क्षेत्र से कटनी या मैहर को गंतव्य दर्शाकर टीपी जारी कराई जाती है, जबकि स्थानीय स्तर पर पहले से डंप रेत की सप्लाई किए जाने की आशंका है। ऐसे में टीपी में दर्ज मात्रा, वाहन, ई-रवन्ना और वास्तविक गंतव्य का मिलान जांच का अहम बिंदु हो सकता है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि एक ही टीपी की आड़ में अलग-अलग वाहनों से रेत परिवहन किए जाने की शिकायतें भी हैं। यदि ऐसा है तो यह निर्धारित मात्रा से अधिक रेत परिवहन का मामला हो सकता है। इसकी पुष्टि के लिए दस्तावेजों और वाहनों की



जांच जरूरी है। कटनी-उमरिया सीमा से जुड़े होने के कारण क्षेत्र में निगरानी और संयुक्त कार्रवाई की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

नदी घाटों के साथ संभावित डंपिंग स्थलों की जांच, वाहन नंबरों का सत्यापन, टीपी रिकॉर्ड और ई-रवन्ना का मिलान किया जाए तो पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। शिकायतों और आरोपों के बाद प्रशासन तथा खनिज विभाग कब जांच शुरू करता है और बरही क्षेत्र में चल रहे कथित रेत कारोबार की वास्तविकता कब सामने आती है।

### इनका कहना है।

रेत के अवैध उत्खनन को लेकर खनिज विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी।

**आदित्य प्रकाश द्विवेदी तहसीलदार**